माह अगस्त 2021 में महिला अध्ययन केन्द्र दुवासु मथुरा द्धारा दो विस्तार गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

दुवासु, मथुरा द्वारा सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध एक दिवसीय महिला जागरूकता शिविर का आयोजन

दिनांक 12 अगस्त, 2021 को उ0प्र0 पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा, ग्राम शहजादपुर में महिला अध्ययन केन्द्र के अन्तर्गत बालिकाओं (12 वर्ष से कम आयु वर्ग), किशोरियों व महिलाओं हेतु सामाजिक उत्थान शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय कार्यक्रम में प्रतिभागियों से समाज में प्रचलित कुप्रथाओं व कुरीतियों जैसे पर्दा प्रथा, दहेज–प्रथा, सती–प्रथा, इत्यादि के संबंध में विस्तार से चर्चा की गयी। साथ ही, बालिकाओं को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से इस कार्यक्रम के आयोजन में डॉ0 अर्चना पाठक, डॉ0 बरखा शर्मा, डॉ0 रूचि तिवारी, श्रीमती शिवांगी, श्रीमती ममता एवं डॉ0 संजीव कुमार सिंह ने मुख्य भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में 120 से भी अधिक महिलाओं, किशोरियों एवं बालिकाओं ने भाग लिया।

बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान के अन्तर्गत 12 वर्ष से कम आयु की कन्याओं की कविता–वाचन की स्पर्धा करायी गयी तथा उत्साह वर्धन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा उन सभी को शिक्षा संबंधी सामग्री उपलब्ध करायी गयी। 18 वर्ष से अधिक की किशोरियों एवं महिलाओं को ''समाज में परम्परागत रूप से महिलाओं के विरूद्ध व्याप्त कुरीतियों'' पर आधारित एक लघु प्रश्नावली के माध्यम से जागरूक किया गया। महिलाओं व किशोरियों से कोविड–19 महामारी के संबंध में भी जानकारी दी गयी तथा टीकाकरण की महत्ता पर भी चर्चा की गयी। कार्यक्रम की मुख्य समन्वयक डॉ0 अर्चना पाठक ने महिलाओं से ''आज के समाज में महिलाओं का योगदान विषय'' पर गूढ़ विचार विमर्श किया। उनके द्वारा ''आज के समाज में महिलाऐं किस प्रकार विभिन्न क्षेत्रो में अपना परचम लहरा रही है तथा टोक्यो ओलम्पिक–2021 में महिला खिलाड़ियों ने जोश के साथ भारोत्तोलन, बैडमिन्टन, हॉकी, कुश्ती, गोल्फ इत्यादि खेलो में भारत का मान बढ़ाया'' के बारे में किशोरियों एवं महिलाओं को जानकारी दी गई तथा उन्हें प्रेरित किया गया। इसी क्रम में, डॉ0 बरखा शर्मा व डॉ0 रूचि तिवारी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं द्वारा विश्वविद्यालय से डेयरी पालन, बकरी पालन व मुर्गी पालन का प्रशिक्षण प्राप्त करने का अनुरोध किया गया। गॉव की महिलाओं ने बढ़–चढ़ कर इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया तथा कार्यक्रम के प्रति अपनी रूचि दिखाई। कार्यक्रम में ऑगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा–बहनों एवं गॉव की प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिकाओं की सहभागिता सराहनीय रही। अंत में सभी प्रतिभागियों को स्वल्पाहार वितरित किया गया।